पाठ - 3 (क्षितिज)

साँवले सपनों की याद

– जाबिर हुसैन

प्र० 1 किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और पक्षी प्रेमी बना दिया ?

उ० बचपन के दिनों में सालिम अली की स्प्रिंगन से एक नीले कंठ वाली गौरैया घायल होकर गिर गई थी। उसी घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया। उसी गौरैया वाली घटना ने उन्हें पक्षियों की खोज का रास्ता भी दिखाया।

प्र० 2 सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थी ?

उ० एक बार सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह जी से भेंट करके पर्यावरण पर मंडराते खतरे के बारे में जानकारी दी थी। उस समय केरल की 'साइलेंट वैली' की रेगिस्तानी हवा के झोंको से खतरा उत्पन्न हो गया था उसी 'साइलेंट वैली' को बचाने का अनुरोध लेकर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह जी से भेंट की थी। चौधरी चरणसिंह जी गाँव की मिट्टी से जुड़े व्यक्ति थे, इसलिए वे शीघ्र ही पर्यावरण के सम्भावित खतरे को समझ गए। और उस खतरे की कल्पना करके उनकी आँखें नम हो गई थी। क्योंकि केरल के 'साइलेंट वैली' में वातावरण दूषित हो जाने का खतरा उत्पन्न हो गया था।

Page No.___ Date ___/___/20___

प्र० 3 लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि 'मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है?

उ० जब लोगों ने लॉरेंस की मृत्यु होने के बाद फ्रीडा से अपनी पति के बारे में लिखने को कहा तब उसने इस कार्य में असमर्थता जताते हुए कहा कि मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस मुझसे भी ज्यादा। उसने यह इसलिए कहा क्योंकि लॉरेंस का जीवन खुली किताब की तरह था। वह बहुत खुले स्वभाव का और सीधा-साधा आदमी था। उसके बारे में पक्षी तक सब कुछ जानते थे।

प्र० 4 इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा-शैली की चार विशेषताएँ बताइए।

उ० इस पाठ के आधार पर लेखक की विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

1 लेखक की भाषा शैली में 'रवानी' है तथा सीधी एवं सरल भी है।

2 लेखक की भाषा शैली 'चित्रात्मक' है कृष्ण के वृन्दावन के वर्णन में चित्रात्मक शैली का प्रयोग है।

3 अपनी भाषा शैली में लेखक ने हिन्दी के तत्सम शब्दों के साथ-साथ उर्दू तथा अंग्रेजी के शब्दों का भी प्रयोग किया है। जैसे = तत्सम = विलीन, वाटिका, समर्पित, नैसर्गिक।
उर्दू तथा फारसी के शब्द:
जैसे = हुजूम, मौत, माहौल।
अंग्रेजी शब्द:
जैसे = मिथक, फॉल ओफ स्पैरो
इस पाठ में लेखक ने 'वर्णात्मक शैली' का प्रयोग किया है।

प्र० आशय स्पष्ट कीजिए :-

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिन्दगी का प्रतिरूप बन गए थे।

उ० डी. एच. लॉरेंस का जीवन बिल्कुल प्राकृतिक एवं स्वाभाविक था। इसी प्रकार सालिम अली का जीवन भी नैसर्गिक उनमें किसी प्रकार की कोई बनावट न थी। वे तो कुदरती जिन्दगी का नमूना थे।

(ख) कोई अपने जीवन की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा।

उ० इस कथन का आशय यह है कि मरा हुआ व्यक्ति कभी भी लौटकर नहीं आता। हम उसे लाख प्रयत्न कर ले, परंतु उसमें हरकत लौटकर नहीं आ सकती अर्थात फिर से नहीं बोल सकता।

(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाय अथाह सागर बनकर उभरे थे?

उ० सालिम अली को किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता क्योंकि उनका जीवन तो अथाह समुद्र की भाँति था। जिसे काम करने के असीमित अवसर चाहिए थे। वे हर वक्त काम करते रहते थे तथा बंधन रहित थे।

6 इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है वह इस प्रकार है :-

सालिम अली प्रसिद्ध 'पक्षी विज्ञानी' थे, वे हर समय पक्षियों की खोज में लगे रहते थे।

2 सालिम अली 'घुमक्कड़ प्रवृति' के थे। इसी कारण सभी लोग उनके भ्रमणशील और यायावरी से परिचित थे।

3 सालिम अली 'पर्यावरण की सुरक्षा' के प्रति सचेत रहते थे। वे इसके लिए एक बार तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह से भी मिले थे।

4 सालिम अली हिमालय और लद्दाख की बर्फीली जमीन पर जीने वाले 'पक्षियों की वकालत' भी करते थे।

5 सालिम अली 'नैसर्गिक जीवन जीने वाले' व्यक्ति थे।

6 सालिम अली को जिन्दगी की 'अच्छाइयों में अटूट विश्वास' था।

प्र० 7 'साँवले सपनों की याद' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

उ० यह संस्मरण लेखक ने प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली की मृत्यु से उत्पन्न दुख और अवसाद की घड़ी में लिखा है। इस दुख को लेखक ने 'साँवले सपनों की याद' के रूप में व्यक्त किया है। यह शीर्षक सालिम अली की स्मृति को समर्पित है। इसलिए यह शीर्षक पूर्णतः उचित है और यह शीर्षक आकर्षक एवं मार्मिक भी है।

प्र० 8 प्रस्तुत पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता को भी व्यक्त करता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं?

उ० पर्यावरण को बचाने के लिए हम इस प्रकार योगदान दे सकते हैं:—

1 हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण को हरा - भरा बना सकते हैं।

2 पर्यावरण को बचाए रखने के लिए हमें अपने आस - पास किसी प्रकार की गंदगी नहीं फैलानी चाहिए।

3 हमें नदियों के जल को गंदा नहीं करना चाहिए।

4 हमें अधिक शोर नहीं करना चाहिए तथा तेज संगीत प्रेशर हॉर्न बजाने से भी बचना चाहिए।